भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2992

दिनांक 07 अगस्त, 2025 को उत्तरार्थ

.....

बद्रीनाथ में नदी तट विकास परियोजना

2992. श्री राजा राम सिंह:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) केंद्र सरकार द्वारा उत्तराखंड राज्य सरकार के समन्वय से बद्रीनाथ, उत्तराखंड में नदी तट विकास परियोजना का ब्यौरा और वर्तमान स्थिति क्या है तथा इस संबंध में कितनी प्रगति दर्ज की गई है;

(ख) जिस कंपनी को परियोजना का ठेका दिया गया है, उसका नाम क्या है;

(ग) इस संबंध में केंद्र सरकार द्वारा आवंटित कुल धनराशि का ब्यौरा क्या है और सौंदर्यीकरण, पर्यावरण पुनर्स्थापन और बुनियादी ढांचे के विकास पर किए गए व्यय का विवरण क्या है;

(घ) निर्माण गतिविधियों के कारण प्रभावित/काटे गए पेड़ों की संख्या कितनी है और यह सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं/किए जा रहे हैं कि भारी निर्माण गतिविधियों सहित बुनियादी ढांचे का विकास क्षेत्र की संवेदनशील पारिस्थितिकी को ध्यान में रखते हुए किया जाए; और

(ङ) क्या इस संबंध में कोई पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) किया गया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा और निष्कर्ष क्या रहे और यदि नहीं, तो बद्रीनाथ के संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा के लिए क्या उपाय लागू किए गए हैं/किए जा रहे हैं?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री

(श्री राज भूषण चौधरी)

(क) से (ग): बद्रीनाथ में रिवरफ्रंट विकास परियोजना राज्य स्वच्छ गंगा मिशन, उत्तराखंड को सौंपी गई है और श्री केदारनाथ उत्थान चैरिटेबल ट्रस्ट कार्यान्वयन अभिकरण है तथा लोक निर्माण विभाग, उत्तराखंड निष्पादन अभिकरण है। यह कार्य मेसर्स गवर कंस्ट्रक्शन लिमिटेड को सौंपा गया है। रिवरफ्रंट विकास परियोजना के लिए आवंटित कुल धन राशि 59.21 करोड़ रुपये है और अब

तक कुल व्यय 4.69 करोड़ रुपये हो चुका है। परियोजना के विभिन्न चरण कार्यान्वयन के विभिन्न स्तरों में हैं, जिनमें से 2 चरणों का कार्य 15-20% पूरा हो चुका है, जबकि 2 चरण स्थल संबंधी बाधाओं के दूर होने के बाद शुरू किए जाएँगे।

(घ) और (ङ): परियोजनाएं संवेदनशील हिमालयी पारिस्थितिकी के प्रति अत्यंत संवेदनशीलता के साथ शुरू की गई हैं। परियोजना के लिए राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान द्वारा जल विज्ञान संबंधी अध्ययन किए गए थे। परियोजना घटकों के लिए संरचनात्मक पुनरीक्षण भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बीएचयू और आईआईटी गुवाहाटी के विभागों द्वारा किया गया है। यह परियोजना पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) अधिसूचना के प्रावधानों से प्रभावित नहीं है क्योंकि निर्माण परियोजना में 20,000 वर्ग मीटर से कम क्षेत्र शामिल है। तथापि, विनियमित निर्माण प्रथाओं और नियमित निगरानी सहित सभी पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों का वैधानिक दिशानिर्देशों के अनुसार पालन किया जा रहा है। काम शुरू करने से पहले राज्य सिंचाई विभाग से एनओसी सहित सभी पूर्व अनुमोदन लिए गए थे। इसके अलावा, आईआईटी रुड़की द्वारा तैयार की गई मल प्रबंधन योजना का राज्य पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा पालन किया जाता है।

*****